समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

एशिया कप 2025: भारत से हार के बाद इमरान खान का PCB और मोहसिन नक़वी पर तंज, बोले– क्रिकेट और राजनीति दोनों दिशाहीन

Sanket Morankar

Published on 23 Sep 2025

भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले ने सिर्फ मैदान पर ही नहीं बल्कि मैदान के बाहर भी हलचल मचा दी है। इस हाई-वोल्टेज मैच में भारत ने पाकिस्तान को हराकर फाइनल में जगह पक्की की, जबकि हार के बाद पाकिस्तान में क्रिकेट और राजनीति के बीच नए विवादों की चिंगारी भड़क गई। इस हार के तुरंत बाद पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने जेल से एक तीखा बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने सीधे-सीधे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) और उसके प्रमुख मोहसिन नक़वी पर तंज कसा।

इमरान खान ने अपने बयान में कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट उसी तरह से दिशाहीन हो गया है, जैसे देश की राजनीति। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि बोर्ड की बागडोर ऐसे हाथों में है जिनका क्रिकेट से कोई अनुभव नहीं है। उनका इशारा सीधे तौर पर मोहसिन नक़वी की ओर था, जो PCB के चेयरमैन हैं और जिनकी नियुक्ति को लेकर पहले ही सवाल उठ चुके हैं। इमरान खान ने कहा, *“[illegible]”*

इमरान खान ने सिर्फ मोहसिन नक़वी ही नहीं बल्कि जनरल असीम मुनीर पर भी व्यंग्य किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में चाहे क्रिकेट हो या राजनीति, हर जगह वही ताकतें हावी हैं जिनका न तो लोकतंत्र से जुड़ाव है और न ही खेल से। उनके अनुसार, जब तक संस्थाओं को उनके मूल दायरे तक सीमित नहीं किया जाएगा, तब तक पाकिस्तान के हालात नहीं सुधर सकते।

पाकिस्तान की इस करारी हार ने प्रशंसकों में भी गुस्सा भर दिया है। सोशल मीडिया पर मोहसिन नक़वी और PCB के खिलाफ ट्रेंड चल रहे हैं। प्रशंसक पूछ रहे हैं कि आखिर कब तक अनुभवहीन लोगों को महत्वपूर्ण पदों पर बैठाकर देश के खेल को बर्बाद किया जाएगा। वहीं इमरान खान के बयान को उनके समर्थक “सच बोलने की हिम्मत” बता रहे हैं, जबकि आलोचकों का कहना है

कि इमरान खान अब सिर्फ कटाक्ष की राजनीति कर रहे हैं और उनके निशाने पर हमेशा सेना और सत्ता प्रतिष्ठान रहते हैं।

गौरतलब है कि एशिया कप में पाकिस्तान का प्रदर्शन लगातार गिरता जा रहा है। टीम के तेज गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों का ही फॉर्म सवालों के घेरे में है। भारत के खिलाफ मैच में पाकिस्तान का बल्लेबाजी क्रम बुरी तरह से लड़खड़ा गया और गेंदबाजी में भी वह असर नहीं दिखा जो कभी उनकी पहचान हुआ करता था। इस हार ने PCB की नीतियों और टीम चयन पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

विश्लेषकों का कहना है कि इमरान खान का यह बयान क्रिकेट के जरिए राजनीति पर हमला है। उन्होंने क्रिकेट को एक उदाहरण बनाकर यह संदेश देने की कोशिश की कि जैसे बोर्ड गलत हाथों में है, वैसे ही पाकिस्तान की राजनीति भी बाहरी नियंत्रण में है। यह बयान सीधे तौर पर सेना और मौजूदा सरकार को चुनौती देने वाला माना जा रहा है।

इमरान खान के इस तंज ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे जेल में रहने के बावजूद राजनीति और जनता की सोच पर असर डालने की क्षमता रखते हैं। उनका संदेश साफ है कि पाकिस्तान को बचाने के लिए संस्थाओं में पारदर्शिता और अनुभव को महत्व देना होगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.